

आपकी खुशी आपके पास



क्या आप अशांत हैं, क्या आप अवसाद के दौर से गुजर रहे हैं, क्या आपके मिजाज को क्रोध ने वश कर लिया है, क्या आप तनाव से ग्रस्त हैं। क्या आपने कभी सोचा है मन की शांति के लिए रिमोट कंट्रोल आपके पास है। देखिए नॉन स्टॉप, बिना किसी विज्ञापन के, आध्यात्मिकता के गुब्बारे रहस्यों को स्पष्ट करता हुआ 'पीस ऑफ माइंड चैनल, आपके शहर में उपलब्ध है। Enquiry M. -8140211111, channel -697

सूचना- ओमशान्ति मीडिया में सेवा के लिए हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की जानकारी रखने वाले भाइयों की आवश्यकता है। ईमेल, वेबसाइट तथा साफ्टवेयर की जानकारी रखने वाले भाई की भी आवश्यकता है। ईश्वरीय सेवा के इच्छुक भाई अपना पूरा डाटा इस ईमेल पर भेजें - E-mail- mediabkm@gmail.com, Mob.-8107119445



सूचना

आप सभी भाई-बहनों की मांग पर राजयोग प्रवचन माला की पुस्तक 'राजयोग मेडिटेशन' नवीन संस्करण के साथ, भगवान कौन? की गीता का आध्यात्मिक रहस्य पुस्तक, हैप्पीनेस इंडेक्स, कथा सारिता उपलब्ध है। इसे आप ओम शान्ति मीडिया, शान्तिवन कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता ..

करते हैं। वह बच्चा उत्साहित होता है और तत्परता से बेहतर करने की कोशिश करता है। जब आप कुछ नया सीख रहे होते हैं तो क्या आप इसी रूप में अपने आपको प्रोत्साहित करते हैं? या आप सीखना ज्यादा कठिन बना लेते हैं, क्योंकि आप अपने आपको कहते हैं कि तुम मूर्ख हो या अनाड़ी हो या विफल हो?

प्रश्न - मैं एक माता हूँ। दस वर्ष से ज्ञान में हूँ। मेरी समस्या यह है कि मुझे मुरली में हमेशा ही नींद आती है। योग में नींद नहीं आती। मुझे बहुत लज्जा भी आती है। इसका हल बतायें...?

उत्तर - मुरली का रस अनुपम है। इस रस से वंचित होना कोई पूर्व जन्म की ही बाधा है। इसके लिए इक्कीस दिन तक आधा घण्टा प्रतिदिन योग करें, इस संकल्प के साथ कि पूर्व जन्म की यह बाधा, जिसके कारण मुरली के समय नींद आती है, नष्ट हो जाए। प्रतिदिन सबेरे उठते ही सात बार याद करें - मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ व निद्राजीत हूँ। नींद की कमी भी मुरली में सुलाती है। कई लोग जो दो या तीन बजे सबेरे उठते हैं, वे भी मुरली में सो जाते हैं। अतः नींद पूरी करना भी आवश्यक है। सबेरे खाली पेट दस मिनट तक अनुलोम विलोम प्राणायाम भी करें, इससे ब्रेन को आक्सीजन जाएगी और नींद समाप्त हो जाएगी। साथ-साथ मुरली को ज्यादा से ज्यादा लिखा करें।

प्रश्न - भ्राताजी, आजकल तंत्र मंत्र का प्रभाव बहुत बढ़ रहा है। माताएं इस काम में ज्यादा लगी हुई हैं। अपने ही अपनों को सता रहे हैं। इससे बचने के लिए हम क्या करें?

उत्तर - तंत्र-मंत्र भी संकल्प शक्ति ही है। हमारे पास सबसे शक्तिशाली संकल्प है... मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ... परमात्म-शक्तियों मेरे पास हैं, स्वयं सर्वशक्तिवान मेरे सिर पर छत्रछाया है। इसलिए दृढ़ता पूर्वक संकल्प कर दो कि मुझ पर इन सबका कोई असर हो नहीं सकता। बस आप सुरक्षित रहेंगे। याद रखें - यदि डरेंगे तो इनका असर होगा। जो आत्माएँ मास्टर सर्वशक्तिवान के नशे में रहते हैं व निर्भीक हैं, तंत्र मंत्र, भूत प्रेत, ब्लैक मैजिक उन पर प्रभाव नहीं डाल सकता। प्रतिदिन सबेरे सात बार अच्छी तरह अभ्यास कर लो कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। इससे आपके चारों ओर शक्तिशाली प्रभामण्डल निर्मित हो जाएगा। जो लोग इस पाप के कार्य में लगे हुए हैं उनका पाप दिनोदिन बढ़ता ही जाता है और अंततः उनकी दुर्गति होती है। ऐसे पाप कर्म में लगे तांत्रिक भी दुर्गति को पाते हैं। इसी जीवन में उनकी अधोगति हो जाती है और मृत्यु के बाद वे भी भटकते रहते हैं।

इसलिए इस पापकर्म में प्रवृत्त नहीं होना चाहिए।

प्रश्न - मैं एक ब्रह्माकुमारी बहन हूँ। मैंने अपना जीवन पांच वर्ष पूर्व ईश्वरीय कार्य हेतु समर्पित कर दिया है। अब मैं एक सफल टीचर बनना चाहती हूँ, मुझे क्या-क्या करना होगा?

उत्तर - अति सुंदर अभिलाषा है आपकी। यह देखकर ही भगवान आप पर राजी है। पहले तो यह जानना आवश्यक है कि सफल टीचर किसे कहते हैं? मैं इसके लिए पांच मापदण्ड प्रस्तुत कर रहा हूँ। ज्ञान हमें ज्ञान के सागर ने दिया है। वही ज्ञान हम दूसरों को दे रहे हैं अतः निमित्त भाव रहे, अहं भाव न आये। जीवन समर्पित किया है, पवित्रता का मार्ग अपनाया है, जो इसमें दृढ़ हैं, वे ही सफल हैं। अमृतवेला व मुरली में जिन्हें सम्पूर्ण रस है व रुचि है वे ही सफल टीचर हैं। जो ज्यादा समय योगयुक्त हैं व स्वमानधारी हैं, वही सफल टीचर हैं। जिनका



चित्त क्रोध अग्नि से मुक्त निर्मल है, सभी के लिए शान्ति भावनाओं से

भरा है तथा जो तेरे-मेरे से मुक्त हैं, वे ही सफल टीचर हैं। आप चिन्तन करें - अद्भुत त्याग है आपका, आपने श्वेत वस्त्र धारण किये हैं, आपको सभी आदर्श रूप में देखना चाहते हैं। तो त्याग निष्फल न जाए। स्वयं को ईश्वरीय खजानों से भरपूर कर लेना है। क्योंकि अब देने का समय आ रहा है। दृष्टि से व वायब्रेण्ड्स से ही सेवा करनी होगी। बस लक्ष्य को पाने में जुट जाएं। बातों में नहीं रहना है, कौन क्या कर रहा है - इसमें तनिक भी रुचि नहीं रखनी है। जिसके लिए जीवन समर्पण किया है, बस वही करना है। लक्ष्य बहुत महान है और बातें बहुत छोटी हैं। ज्ञान चिन्तन से ज्ञान खजाने को बढ़ायें। अच्छे वक्ता बनने का लक्ष्य बना लें। प्रतिदिन योग चार्ट चार घण्टे से अधिक हो। स्वमानधारी होकर रहें। सरलचित्त व मृदुभाषी बनकर रहें। लक्ष्य बना लें कि मुझे सबको सुख देना है। मुझे दुख हरने है। आपकी भावनाएँ आपको अवश्य महान बनायेगी। आप पवित्र इष्ट देवी हैं।

हम भी आपका सम्मान करते हैं।

प्रश्न - मैं अलौकिक टीचर हूँ। परन्तु हमारी क्लास में स्टूडेंट नहीं बढ़ते। हम सेवा की बहुत मेहनत करते हैं परन्तु सफलता नहीं होती। उपाय जानना चाहते हैं।

उत्तर - आप दो विधि अपनायें। प्रथम - इक्कीस दिन की योग भट्टी करें। एक घण्टा प्रतिदिन पावरफुल योग करना है। योग से पूर्व ये स्वमान पांच-पांच बार याद करने हैं। मैं इष्ट देवी हूँ, मैं पूर्वज हूँ, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और मैं विश्व कल्याणकारी हूँ। फिर योग करेंगे। योग के बाद आप आत्माओं का आहवान करें। छत पर जाकर या वहीं बैठकर संकल्प करें कि हमारे आसपास देवकुल की जो भी आत्माएँ हों, वे सब बाबा के पास आ जाएँ। तुम्हारा परमपिता तुम्हें बुला रहा है, आ जाओ। जिनसे तुम मिलना चाहते थे, वह तुमसे मिलने आ गया है, आ जाओ। ऐसा करने से देवकुल की आत्माएँ आकर्षित होकर आयेंगी। यदि हम प्रति माह यह भट्टी कर लें तो कमाल हो जाए। दूसरा - सबेरे उठकर इक्कीस बार संकल्प करो कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ... फिर मन में एक विजन (दृश्य) बनाओ कि दो वर्ष में हमारा हॉल भाई-बहनों से भरा हुआ है और मैं मुरली सुना रही हूँ। हमारी क्लास में 200 स्टूडेंट हैं।

प्रश्न - हमें योग के प्रयोग बहुत अच्छे लगते हैं। कोई नया सफल प्रयोग हम सुनना चाहते हैं।

उत्तर - मध्यप्रदेश में इंदौर के समीप राजपुर की एक माता ने फोन पर बताया कि उसका एक आठ वर्ष का लड़का बहुत हाइपर एक्टिव है अर्थात् बहुत तेज है। रोज टीचर को रूलाकर आता है। सब उससे तंग हैं। उसे कोई भी अपने स्कूल में लेना नहीं चाहता। हम क्या करें। उसे राजयोग की कुछ विधियाँ बताईं और इक्कीस दिन तक उस माता ने लगन से प्रयोग किये। इक्कीस दिन में ही बच्चा नार्मल हो गया। बच्चे को हमसे मिलाया गया।

उसे एक घण्टा प्रतिदिन बच्चे के लिए योग करना था। दस मिनट प्रतिदिन बच्चे के ब्रेन को एनर्जी देनी थी। उसे पानी व भोजन चार्ज करके ही देना था। यह सब उसने तत्परता से किया। घर में सम्पूर्ण शान्ति हो गयी। बच्चा स्वीट हो गया।



दिल्ली (राजपुर रोड)।

शिवजयंति के पर्व पर शिवध्वजारोहण करते हुए डिवि. कमिश्नर धर्मपाल सिंह, ब्र.कु. मीरा तथा अन्य।



भाती (वंकानेर)।

गुजराती फिल्म अभिनेत्री किरण आचार्य, ब्र.कु. शैला व ब्र.कु. सारिका।



अबोहर।

शिवजयंति पर सुरक्षा बल के डीआईजी अश्विनी शर्मा, पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र बराड़, ब्र.कु.पुष्प, ब्र.कु.राजसदोष तथा अन्य।



नागपुर।

नवनिर्मित सेवाकेन्द्र का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.उषा, ब्र.कु.पुष्पा तथा अन्य।